

अनर्थबुद्धि वि. (तत्.) 1. जिसकी बुद्धि में अनिष्ट कर बातें आती रहती हैं 2. जिसकी बुद्धि व्यर्थ या बेकार हो गई हो।

अनर्थ्य वि. (तत्.) दे. अनर्थकारी।

अनर्घ्य वि. (तत्.) 1. जो अर्घ्य, सम्मान पाने के योग्य न हो, अपूज्य। 2. जिसका मूल्य लगाना संभव न हो, बहुमूल्य, अमूल्य।

अनर्वासा पुं. (तत्.) कटी हुई फसल का एक बड़ा मुट्ठा या पूला, औसा।

अनर्ह वि. (तत्.) 1. अयोग्य, अपात्र, अनधिकारी 2. जिस के पास आवश्यक अर्हता न हो। unqualified

अनर्हता स्त्री. (तत्.) अर्हता-रहित, अपात्र या अयोग्य होने की स्थिति। disqualification

अनर्हीकरण पुं. (तत्.) किसी पद या कार्य आदि के लिए अनर्ह या अयोग्य ठहरा देना। disqualification

अनलंकृत वि. (तत्.) 1. अलंकारविहीन 2. सजावट-रहित, सज्जा रहित।

अनल पुं. (तत्.) 1. आग, अग्नि, पावक 2. जठरानल 3. परमेश्वर 3. जीव।

अनलगी वि. (तद्.) 1. न लगा हुआ, असंलग्न 2. अविद्यमान।

अनलपक्षी पुं. (तत्.) एक कल्पित पक्षी जो सदा आकाश में ही उड़ा करता है और पृथ्वी पर कभी नहीं रहता। अनल पक्षी आकाश से अपना अंडा गिराता है और पृथ्वी पर पहुँचने से पहले ही अंडा फूट कर हवा में ही बच्चा बनकर उड़ने लगता है।

अनलप्रिया स्त्री. (तत्.) अग्निदेवता की पत्नी, स्वाहा।

अनलमुख वि. (तत्.) 1. जिसके मुख से अग्नि निकलती हो। 2. जो अग्नि के माध्यम से पदार्थों को ग्रहण करे पुं. 1. देवता 2. ब्राह्मण।

अनलशिखा स्त्री. (तत्.) अग्नि की शिखा, आग की लपट।

अनलस वि. (तद्.) 1. आलस्यरहित, बिना आलस्य का 2. फुर्तीला 3. चैतन्य।

अनलसित पुं. (तत्.) आलस्यहीन।

अनलहक पुं. (अर.) मैं सत्य हूँ, मैं खुदा हूँ (सूफी संतों का 'अहं ब्रह्मास्मि' जैसा अर्थ देने वाला वाक्य)।

अनला स्त्री. (तत्.) दक्ष प्रजापति की एक कन्या।

अनलानिल पुं. (तत्.) [अनल+अनिल] अग्नि और वायु।

अनलि पुं. (तत्.) बक वृक्ष। sesbana Gramdiflora

अनलेख वि. (तद्.) 1. अदृश्य, अगोचर 2. अलख।

अनल्प वि. (तत्.) जो अल्प न हो, बहुत, अधिक, ज्यादा।

अनवकाश पुं. (तत्.) 1. अवकाश का अभाव 2. फुरसत न होना वि. (तत्.) अवकाशहीन, बिना फुरसत का।

अनवगत वि. (तत्.) 1. जो अवगत न हो, जाना हुआ न हो, अज्ञात 2. जानकारी-रहित व्यक्ति।

अनवगम्य वि. (तत्.) 1. जो समझ में न आ सके (भाषा) 2. जहाँ पहुँचना कठिन हो, दुर्गम।

अनवगाह वि. (तत्.) 1. अथाह, गंभीर, बहुत गहरा 2. जिसकी गहनता अथाह हो।

अनवगाह्य वि. (तत्.) दे. जिसका अवगाहन अर्थात् गंभीरमनन न किया जा सके, दुर्बोध दे. अनवगाह।

अनवगीत वि. (तत्.) जो अवगीत अर्थात् बेसुरा गाया हुआ या धिक्कारा हुआ या निंदित न हो, अनिंद्य, अनिंदित।

अनवग्रह पुं. (तत्.) [अन+अवग्रह] 1. जिसे लिए कोई बाधा, रुकावट न हो 2. प्रतिबंध रहित, स्वच्छन्द 3. जो पकड़ में न आए, जिसे रोका न जा सके अप्रतिरोधनीय 4. जो किसी को न रोके 5. अनिवार्य 6. अतिप्रबल विलो. अवग्रह।

अनवच्छिन्न वि. (तत्.) 1. जो अवच्छिन्न न हो 2. जो काटा न गया हो 3. जो अलग न किया